एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं बैठक एवं

<u>राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न</u>

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 28.07.2016 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं बैठक एमसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री लीला नंद मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इनके अतिरिक्त मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक/मुख्य राजभाषा अधिकारी,नामित राजभाषा अधिकारीगण के साथ-साथ डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर कार्यक्रम में उपस्थित हुए ।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबं.प्रशि.सं./रा.भा./मा.सं.वि./कौशल विकास) एवं सर्वकार्यभारी अधिकारी,हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार द्वारा अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन को दृष्टिगत करते हुए केंद्र सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु क्षेत्रों एवं विभागीय प्रमुखों से सक्रिय सहयोग हेतु अनुरोध किया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि एमसीएल के सभी क्षेत्रों एवं विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है इसके लिए संसाधनों की कमी नहीं बल्कि क्षेत्रीय एवं मुख्यालय के विभागाध्यक्षों की सकारात्मक सहयोग की जरूरत है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के पूर्ण अनुपालन हेतु एमसीएल कृत संकल्प है इसके लिए हम सभी को स्वस्थ मानसिकता से लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा बैठक संचालन के साथ गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई की पुष्टि की गई तथा 18 एवं 21 जुलाई,2016 को विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोयला मंत्रालय द्वारा की गई एमसीएल की राजभाषायी समीक्षा संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से सदन में प्रस्तुत की गई।

बैठक की समाप्ति के उपरान्त आयोजित राजभाषा कार्यशाला में श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक (प्रबं.प्रशि.सं./रा.भा./मा.सं.वि./कौशल विकास) एवं सह-सर्वकार्यभारी अधिकारी,हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार ने अपने वक्तव्य में कहा कि कोयला मंत्रालय द्वारा विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जानेवाली एमसीएल की आगामी समीक्षा के लिए प्रत्येक क्षेत्रों एवं विभागों में राजभाषा नीति/नियमों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन करना है एवं तत्संबंधित दस्तावेज भी अनिवार्य रूप से तैयार रखना है, ताकि समीक्षा बैठक में नियमानुसार दस्तावेज प्रस्तुत की जा सके।

कार्यशाला के वक्ता डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक महोदय ने एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आनेवाली कठिनाइयों को दूर करने के कई उपाय सुझाए एवं राजभाषा तिमाही रिपोर्ट के समस्त बिन्दुओं की अभिव्यंजना बड़ा ही रोचक ढंग से की। राजभाषा नीति- नियमों पर दिए गए स्पष्ट एवं विस्तृत वक्तव्य से प्रतिभागीगण लाभान्वित हुए। श्री बी.आर. साहू कलिहारी,सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

वी.सी.त्रिपाठी